हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 200 कानपुर, सोमवार 18 जुलाई 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

सीएम योगी बोले– जल संरक्षण को जन आन्दोलन बनाकर यूपी को खुशहाल बनाएं

भूगर्भ जल सप्ताह के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के गांव–गांव में भूजल संरक्षण की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने और इसे जनआंदोलन बनाने की बड़ी तैयारी की है। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अभियान को गति देते हुए 5 कालीदास मार्ग से डिजिटल भूजल रथ को फ्लैग ऑफ किया। उन्होंने डिजिटल भूजल रथ का फ्लैग ऑफ करते हुए जल संकट से उबरने के लिये राज्य सरकार की ओर से चलायी जा रही अटल भूजल योजना के उद्देश्यों और उपलब्धियों को बताया। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से 2021 के बीच यूपी में भूजल स्तर में बड़ा सुधार आया है। पहली बार यूपी में 35 जिलों में भूजल स्तर बढ़ा है। 82 विकास खंड जो डार्क जोन में थे, उनमें से 25 विकास खंड (अति दोहित) डार्क जोन से बाहर निकल चुके हैं। सीएम योगी ने नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की भूगर्भ जल के संरक्षण के लिए शुरू किए गए अभियान की प्रशंसा भी की। उन्होंने जनता से जल संरक्षण को जन आन्दोलन के रूप में परिवर्तित करके भूजल स्तर को बढ़ाने और यूपी को खुशहाल बनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि यूपी में 16 से 22 जुलाई तक भगर्भ जल सप्ताह मनाया जा रहा है। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि बरसात की एक–एक बूंद जल के संचयन का प्रयास करेंगे तो खारा पानी की समस्या भी दूर होगी।कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। जल शक्ति मंत्री ने डिजिटल भूजल रथ के फ्लैग ऑफ पर कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरकारी योजनाओं के साथ–साथ जन समुदाय को भी जन आन्दोलन से जोड़ना होगा। प्रमुख सचिव ने भूगर्भ जल विभाग की ओर से भूजल प्रबंधन की विभिन्न संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। इस संदर्भ में उन्होंने अपने विभाग के सभी अधिकारियों को जन भागीदारी द्वारा अटल भूजल योजना को गतिशील और पारदर्शिता के आधार पर क्रियान्वित करने के लिये कहा। कार्यक्रम के अन्त में निदेशक, भूगर्भ जल विभाग वीके उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया और विश्वास दिलाया कि इस डिजिटल भूजल रथ से न सिर्फ जन–जन तक परियोजना

का महत्व प्रसारित होगा बल्कि परियोजना को भी गति मिलेगी।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड से जे पी नड्डा ने की मुलाकात, दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपनी पार्टियों और दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के अध्यक्ष प्रचंड, नड्डा के निमंत्रण पर भारत के दौरे पर हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर भी चर्चा का हिस्सा थे। नड्डा ने कहा, हमने भारत और नेपाल के बीच विशेष रूप से हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक और दोनों देशों की जनता के स्तर पर आपसी संबंधों को मजबूत करने और प्रगाढ़ करने पर सार्थक चर्चा की। हमने पार्टी स्तर पर सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। भाजपा ने विदेशों में अपने संपर्क कार्यक्रम के रूप में भाजपा को जानो पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम के तहत नड्डा विभिन्न देशों के राजनयिकों और नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं।

केजरीवाल को नहीं मिली सिंगापुर जाने की अनुमति, पीएम मोदी को पत्र लिखकर किया आग्रह

सिंगापुर में होने वाली वर्ल्ड सिटीज समिट में शामिल होने की अनुमति न मिलने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से नाराजगी जाहिर करते हुए केंद्र के रवैये को गलत बताया है। दरअसल वर्ल्ड सिटीज समिट के लिए सिंगापुर सरकार ने दिल्ली सरकार को आमंत्रित किया है। इस समिट में शआमिल होकर केजरीवाल को सिंगापुर में दिल्ली मॉडल पेश करना था। लेकिन वहां जाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से अब तक उन्हें अनुमति नहीं मिली है। करीब एक महीने से केजरीवाल की फाइल केंद्र सरकार के पास पड़ी हुई है, लेकिन इसपर कोई जवाब नहीं आया है। अब केजरीवाल ने पत्र लिखकर

पीएम मोदी से कहा है कि उन्हें जल्द से जल्द सिंगापुर जाने की अनुमति दी जाए, ताकि वो विदेश की धरती पर भारत का मान बढ़ा सकें। केजरीवाल ने पत्र में लिखा कि सिंगापुर में दुनियाभर के कई बड़े नेताओं के सामने दिल्ली मॉडल प्रस्तुत किया जाना है। आज सारी दुनिया दिल्ली मॉडल के बारे में जानना चाहती है। वहां से आया ये न्योता देश के लिए गौरव और मान की बात है, लेकिन किसी सीएम को इतने महत्वपूर्ण मंच पर जाने से रोकना देशहित के खिलाफ है।

एनडीए उपराष्ट्रपति उम्मीदवार से मिले अमित शाह, बताई जगदीप धनखड़ की सबसे बड़ी खूबी

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. शाह ने धनखड़ को बधाई देते हुए उनकी खूबियों के बारे में ट्वीट किया. गृह मंत्री ने कहा कि जगदीप धनखड़ की जमीनी समस्याओं और संवैधानिक ज्ञान की समझ से देश को बहुत फायदा होगा. उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ के नाम की घोषणा के बाद उन्हें पीएम मोदी समेत देश के तमाम दिग्गजों ने बधाई दी थी । बता दें कि शनिवार को भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने उपराष्ट्रपचि पद के लिए एनडीए उम्मीदवार के रूप में जगदीप धनखड़ के नाम की घोषणा की थी. उन्होंने भाजपा संसदीय दल की बैठक के बाद कहा था कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एनडीए के उपराष्ट्रपति

पद के उम्मीदवार होंगे. धनखड़ के नाम की घोषणा होने के बाद अमित शाह ने ट्वीट कर कहा था कि मुझे विश्वास है कि उपराष्ट्रपति पद व राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड़ जी के चुने जाने से हमारे उच्च सदन की गरिमा और बढ़ेगी. साथ ही सदन की संवैधानिक प्रक्रिया में उनके व्यापक व लंबे प्रशासनिक अनुभव का देश को बहुत लाभ मिलेगा. उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं । रविवार को जगदीप धनखड़ से मुलाकात के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि जगदीप धनखड़ जी को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुने जाने पर मुंह मीठा कराकर बधाई दी. साधारण किसान परिवार में जन्मे धनखड़ जी का जीवन जनकल्याण व समाज के उत्थान को समर्पित रहा. मुझे विश्वास है कि जमीनी समस्याओं पर उनकी समझ व संवैधानिक ज्ञान का देश को बड़ा लाभ मिलेगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित शीर्ष भाजपा नेतृत्व ने धनखड़ को किसान–पुत्र और लंबे समय से समाज की भलाई के लिए काम करने वाले व्यक्ति के रूप में सराहा. उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का चुनाव जीतना लगभग निश्चित माना जा रहा है क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों वाले निर्वाचक मंडल में भाजपा के पास बहुमत है. संसद की मौजूदा संख्या 780 में से अकेले भाजपा के पास 394 सांसद हैं, जो बहुमत के 390 से अधिक है ।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की बेंच गठित की, राउत बोले- फैसला आने तक लागू हो राष्ट्रपति शासन

महाराष्ट्र के सियासी संकट के बीच सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र संकट पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की बेंच का गठन कर दिया है। यह पीठ 20 जुलाई को मामले की सुनवाई कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और हेमा कोहली की पीठ उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले खेमे और एकनाथ शिंदे खेमे द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इससे पहले 11 जुलाई को शिवसेना के शिंदे गुट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता मामले में सुनवाई को फिलहाल टाल दिया था और कहा था कि इस मामले में बेंच गठित की जाएगी। इस प्रक्रिया में समय लगेगा। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव गुट को भी राहत देते हुए महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को आदेश दिया था कि जब तक मामले में सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। स्पीकर कोई निर्णय नहीं लेंगे। दरअसल, उद्धव ठाकरे गुट की ओर से वरिष्ठ

वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि अयोग्यता का मामला विधानसभा में सुना जाएगा। जब तक सुप्रीम कोर्ट सुनवाई नहीं करता, तब तक स्पीकर को निर्णय लेने से रोक दिया जाए। इस पर सीजेआई ने विधायकों की अयोग्यता पर किसी भी फैसले पर रोक लगा दी थी।

इस बीच शिवसेना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र में तब तक राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है, जब तक कि उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ शिवसेना के बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिका पर अपना फैसला नहीं दे देती। राउत ने नए मंत्रिमंडल के गठन में देरी को लेकर नवगठित एकनाथ शिंदे सरकार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने ट्वीट किया, श्बारबाडोस की आबादी 2.5 लाख है और फिर भी 27 की कैबिनेट है। महाराष्ट्र की 12 करोड़ की आबादी में 2 सदस्यों की कैबिनेट है जो मनमाने फैसले ले रही है। संविधान का सम्मान कहां है? राउत ने मांग की कि जब तक शिवसेना के बागी विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ अपना फैसला नहीं दे देती, तब तक राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।

सिमरनजीत मान को सीएम भगवंत मान ने घेरा, बोले- शहीद भगत सिंह को आतंकवादी कहना बेहद शर्मनाक

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सरदार भगत सिंह को आतंकवादी कहने पर सांसद सिमरनजीत सिंह मान की आलोचना की। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि शहीद–ए–आजम सरदार भगत सिंह युवाओं के दिलों की धड़कन हैं और हमेशा रहेंगे। उनकी वजह से हम आज आजाद देश में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहीद देश व कौम का सरमाया होते हैं। उन्होंने संगरूर के सांसद सिमरनजीत सिंह मान के बयान की निंदा और इस बयान को दुखदायक बताया। सीएम ने कहा कि देश के शहीदों को आतंकवादी कहना बेहद शर्मनाक बात है। सीएम ने कहा कि मैंने संसद में भी शहीदों को भारत रत्न देने की मांग की थी और पंजाब विधानसभा ने शहीदों के शहीदी दिवस पर मौन भी रखा। सुल्तानपुर लोधी में रविवार को पवित्र काली बेईं की कार सेवा की 22वीं वर्षगांठ पर धार्मिक समागम का आयोजन करवाया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने

बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। यहां उन्होंने सिमरनजीत मान के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उधर, अमृतसर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गौतम अरोड़ा ने सांसद सिमरनजीत सिंह मान के बयान पर कड़ा एतराज जताया और आप सरकार से कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह पंजाब सहित समूचे भारत के नौजवानों के आइकॉन हैं और उन्हें आतंकवादी कहने वाले को युवा वर्ग कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने आप सरकार से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सिमरनजीत सिंह मान अपनी ओछी राजनीति के लिए नौजवानों को भड़का कर पंजाब का शांतिमय और भाईचारक माहौल खराब करना चाहते हैं। युवा मोर्चा के नेता ने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार शहीद भगत सिंह का नाम लेकर ही सत्ता में आई है फिर पंजाबियों के भारी विरोध के बावजूद सिमरनजीत सिंह मान के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा है ।

सम्पादकीय

भयावह रूप लेता ध्वनि प्रदूषण

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा हाल में जारी वार्षिक फ्रंटियर्स रिपोर्ट, 2022 के मुताबिक उत्तर प्रदेश का मुरादाबाद बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बाद दुनिया का दूसरा सर्वाधिक ध्वनि प्रदूषित शहर है. यह भारतीय शहर दुनिया के उन शीर्ष आठ शहरों में शामिल है, जहां शोर का औसत स्तर 100 डेसिबल से ऊपर पहुंच चुका है. ढाका में दिन के समय शोर का स्तर 119 डेसिबल पहुंच जाता है, जबकि रामगंगा नदी के तट पर अवस्थित मुरादाबाद में इसे 114 डेसिबल दर्ज किया गया है. इस सूची में कोलकाता और आसनसोल (89 डेसिबल), जयपुर (84 डेसिबल) और दिल्ली (83 डेसिबल) भी शामिल हैं, जहां ध्वनि आवृति विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक से अधिक पायी गयी है. गौरतलब है कि 2018 में जारी अपने दिशानिर्देशों में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों के लिए पृथक मापदंड जारी किये थे. इसके मुताबिक सड़क यातायात में दिन के समय शोर का स्तर 53 डेसिबल, रेल परिवहन में 54, हवाई जहाज और पवन चक्की चलने के दौरान 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए. इससे ऊपर का शोर स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक माना जाता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वायु प्रदूषण के बाद शोर स्वास्थ्य समस्याओं का दूसरा सबसे बड़ा पर्यावरणीय कारक है. जाहिर है, शोर का बढ़ता स्तर खतरे का सूचक है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. बेशक कर्णप्रिय, हल्की और मधुर ध्वनि रोजमर्रा की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान हिस्सा है, लेकिन परिवेश की ध्वनि जब श्शोरश् बन जाती है, तो यह हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने लगती है. वायु और जल प्रदूषण की तरह ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या बनती जा रही है. यह एक अदृश्य खतरा है, जिससे बचकर न रहा जाये, तो यह हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली को प्रभावित कर सकता है. ध्वनि प्रदूषण को सभी आयु वर्ग और सामाजिक समूहों में एक श्शीर्ष पर्यावरणीय जोखिमश और श्सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझश के रूप में देखा जाने लगा है. लंबे समय तक उच्च स्तर के शोर के संपर्क में रहने से मानव का स्वास्थ्य और विकास दोनों प्रभावित होता है. शोर लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है. अवांछित और अप्रिय शोर हमें परेशान कर सकता है और तनावग्रस्त बना सकता है. इससे नींद में खलल पड़ती है. नींद खराब होने से सेहत प्रभावित होती है. उच्च ध्वनि का श्रवण हमारे सुनने की क्षमता को कमजोर कर बहरेपन की ओर ले जाता है.

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनियाभर में लगभग डेढ़ अरब लोग इस समय कम सुनाई देने की अवस्था के साथ जीवन गुजार रहे हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट दर्शाती है कि 2050 तक दुनिया में हर चार में से एक व्यक्ति यानी लगभग 25 प्रतिशत आबादी किसी न किसी हद तक श्रवण क्षमता में कमी की अवस्था के साथ जी रही होगी. ऐसे में कानों की सुरक्षा भी अहम हो जाती है. माना जाता है कि 85 डेसिबल या इससे अधिक आवृत्ति की ध्वनि किसी व्यक्ति के कानों को नुकसान पहुंचा सकती है. चिकित्सकों के अनुसार, तेज आवाज के संपर्क में आने से उच्च रक्तचाप, हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है. बच्चों, बूढ़ों और गर्भवती महिलाओं पर इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव होता है. उच्च ध्वनि क्षेत्रों में रहने से याददाश्त में कमी, ध्यान लगाने में परेशानी, पढ़ाई–लिखाई प्रभावित होना भी आम बात है. जो लोग ऐसे इलाकों में लंबे समय तक रहते हैं, वे पहले की तुलना में अपेक्षाकृत जोर से बोलना शुरू कर देते हैं और उन्हें धीमी आवाज सुनने में भी परेशानी होने लगती है. अपनी आवाज को दूसरों तक पहुंचाने के लिए भी वे अक्सर चिल्ला देते हैं, जिससे उनके शरीर और मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. ध्वनि प्रदूषण के चलते होने वाली श्टिनिटसश एक आम बीमारी है, जिसे कान बजना भी कहा जाता है. मानव कान अनुश्रव्य (20 हट्र्ज से कम आवृत्ति) और पराश्रव्य (20 हजार हट्र्ज से अधिक आवृत्ति) ध्वनि को सुनने में अक्षम होता है, लेकिन लगातार शोर के संपर्क में रहने से मानव कान कमजोर होते जा रहे हैं. इससे कानों में झनझनाहट की शिकायत बढ़ती जा रही है. कानों में लगातार उच्च आवृत्ति बच्चों के कान के पर्दे को कमजोर कर सकता है, जिससे कुछ आवृत्तियों को सुनने में असमर्थता भी शामिल है. द इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि ध्वनि प्रदूषण भ्रूण, शैशवावस्था और किशोरावस्था सहित विकास के किसी भी चरण में बच्चे की सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है. स्कूल या घर में अवांछित या तेज आवाज बच्चों के लिए सीखने की क्रिया को अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है. इससे संचार एवं भाषण कौशल के विकास और सर्वांगीण प्रदर्शन पर भी असर पड़ता है. ऐसे में बच्चों को शांत माहौल उपलब्ध कराना अभिभावकों का प्रमुख कर्तव्य बन जाता है. बहरहाल, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) अधिनियम, 2000 के तहत शोर उत्पन्न करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल, आवाज वाले पटाखा फोड़ने, हॉर्न बजाने और ऊंची आवाज में संगीत गाना और वाद्ययंत्र बजाना प्रतिबंधित है. अगर हम अपने–अपने स्तर पर शोर करना बंद कर दें, तो पूरा परिवेश शांत हो सकता है.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

सावन का पहला सोमवार आज, शिवालयों में गूंजेगे जयकारे

सावन का पहला सोमवार व्रत 18 जुलाई यानी आज है. सावन का सोमवार व्रत मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए उत्तम माना जाता है. जो लोग सालभर सोमवार व्रत रखना चाहते हैं, सावन सोमवार व्रत से इसका प्रारंभ कर सकते हैं. सावन सोमवार के दिन व्रत और शिव पूजा का संकल्प करते हुए व्रत रखते हैं. श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ मृत्युञ्जय तिवारी कहते हैं कि इस दिन शिव पूजा के समय सावन सोमवार व्रत कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए या उसका श्रवण करना चाहिए. ऐसा करने से व्रत का पुण्य फल प्राप्त होता है और महत्व भी पता चलता है । पौराणिक कथा के अनुसार, अमरपुर नामक नगर में एक धनवान व्यापारी रहता था. वह शिव भक्त था. उसका व्यापार बड़ा था और उसकी समाज में प्रतिष्ठा थी. इनके सबके बाद भी वह दुखी था क्योंकि उसे कोई पुत्र नहीं था. उससे इस बात की चिंता थी कि उसके बाद व्यापार को कौन देखेगा? उसका वंश आगे कैसे बढ़ेगा? पुत्र की कामना से वह हर सोमवार का व्रत रखता था और प्रत्येक शाम को शिव मंदिर में घी का दीपक जलाता था । ऐसा करते हुए काफी साल बीत गए. एक दिन माता पार्वती ने भगवान शिव से कहा कि यह व्यापारी आपका सच्चा भक्त है. आप उसे पुत्र प्राप्ति का आशीर्वाद क्यों नहीं दे देते? शिव जी ने कहा कि हर व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होता है. माता पार्वती नहीं मानीं और शिव जी को विवश कर दिया । तब उस रात शिव जी व्यापारी को सपने में दर्शन दिया और पुत्र प्राप्ति का आशीष दिया. लेकिन यह भी कहा कि उसका पुत्र 16 वर्ष तक ही जीवित रहेगा. अगली सुबह व्यापारी का परिवार बहुत खुश था, लेकिन पुत्र के अल्पायु होने से दुखी भी था. लेकिन व्यापारी हमेशा की तरह सोमवार व्रत और शिव भक्ति करता रहा । शिव कृपा से उसे पुत्र की प्राप्ति हुई. उसका नाम अमर रखा गया. 12 साल की उम्र में उसे पढ़ने के लिए अपने मामा दीपचंद के साथ काशी भेज दिया गया. रास्ते में वे जहां भी रात्रि विश्राम करते थे, वहां पर यज्ञ कराते और ब्राह्मणों को भोजन कराते थे । एक दिन वे एक नगर में पहुंचे, जहां के राजा की पुत्री का विवाह हो रहा था. वर का पिता अपने बेटे के एक आंख से काने होने के कारण चिंतित था. उसे विवाह टूटने और बदनामी का भय सता रहा था । वर के पिता ने अमर को देखा और उसे वर बनाने के लिए सोचा, ताकि विवाह के बाद उसे धन देकर विदा कर दे और बहु को घर ले जाए. लालच में दीपचंद ने वर के पिता की बात मन ली. राजकुमारी चंद्रिका से अमर का विवाह हो गया. अमर ने जाते समय राजकुमारी की ओढ़नी पर लिख दिया कि तुम्हारा विवाह मुझ से हुआ है, मैं काशी शिक्षा ग्रहण करने जा रहा हूं. अब तुम जिसकी पत्नी बनोगी, वह काना है । यह जानकर राजकुमारी ने ससुराल जाने से इनकार कर दिया, दूसरी ओर अमर काशी में शिक्षा ग्रहण करने लगा. 16 वर्ष पूरे होने के समय अमर ने एक यज्ञ कराया. ब्राह्मणों को भोजन, दान और दक्षिणा से संतुष्ट किया. फिर शिव इच्छानुसार रात्रि के समय अमर के प्राण निकल गए । अमर की मृत्यु की बात जानकर उसका मामा रोने लगा. आसपास के लोग एकत्र हो गए. भगवान शिव और पार्वती वहां से जा रहे थे. माता पार्वती ने दीपचंद के रोने की आवाज सुनी और शिव जी से कहा कि इसका कष्ट दूर कर दीजिए । भगवान शिव ने माता पार्वती से कहा कि यह उसी व्यापारी का पुत्र है, जो अल्पायु था. इसकी आयु पूरी हो गई है. पार्वती जी ने कहा कि आप इसे प्राण लौटा दें अन्यथा इसके मां बाप रो रोकर अपनी जान दे देंगे. माता पार्वती के बार बर आग्रह करने पर भगवान शिव ने अमर को फिर से जीवित कर दिया ।

शिक्षा समाप्ति के बाद अमर मामा के साथ राजकुमारी के नगर में पहुंचा और वहां पर यज्ञ का आयोजन कराया. राजा ने अमर को पहचान लिया. राजा उसे घर ले गया और सेवा सत्कार के बाद पुत्री के साथ विदा कर दिया । अमर जब घर पहुंचा, तो उसे जीवित देखकर व्यापारी का परिवार खुश हो गया. उसी रात भगवान शिव एक बार फिर व्यापारी के स्वप्न में आए और कहा कि तुम्हारे सोमवार व्रत करने और व्रत कथा सुनने से प्रसन्न होकर उन्होंने अमर को जीवनदान दिया है और उसे लंबी आयु दी है. व्यापारी यह सुनकर प्रसन्न हुआ. सोमवार व्रत रखने से व्यापारी का पूरा परिवार खुशीपूर्वक रहने लगा ।

ईडी के समक्ष 21 जुलाई को सोनिया गांधी की पेशी, कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को 21 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होने के लिए समन जारी किये जाने के विरोध में पार्टी की कर्नाटक इकाई उस दिन प्रदर्शन करेगी. कांग्रेस अध्यक्ष को नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने तलब किया है.

राजनीतिक उत्पीड़न कर रही भाजपा-कांग्रेस का आरोप

पार्टी (कांग्रेस) ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक उत्पीड़न कर रही है. कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पार्टी के नेतृत्व और विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बनाने के लिए देश में जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है.

राहुल गांधी से पांच दिन तक की पूछताछ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, 'सोनिया गांधी ने कानून का सम्मान करने और (ईडी के समक्ष) पेश होने की अपनी इच्छा जतायी है. उन्हें ऐसे समय पेश होने को कहा गया है, जब संसद का सत्र चल रहा होगा. ईडी ने राहुल गांधी से पांच दिन तक पूछताछ की, लेकिन वे लोग कोई साक्ष्य नहीं दे सके और बार–बार एक ही चीज के बारे में उनसे पूछते रहे.'

कांग्रेस की छवि खराब करने की कोशिशरु शिवकुमार

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश है. उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने 21 जुलाई को देश भर में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है. बेंगलुरु में भी व्यापक स्तर पर प्रदर्शन होगा और सभी नेता, विधायक और कार्यकर्ताओं को अनिवार्य रूप से इसमें शामिल होना है. फ्रीडम पार्क से राजभवन तक विरोध प्रदर्शन होगा.'

22 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि 22 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों पर भी इसी प्रकार के प्रदर्शन होंगे. उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में जिला स्तरीय नेता भी प्रदर्शन में शामिल होंगे.

इमरजेंसी लैडिंग के मामलों पर सिंधिया सख्त, बोले– सुरक्षा से समझौता ठीक नहीं

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और डीजीसीए के साथ सुरक्षा मुद्दों के संबंध में एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. इस बात की जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी है. जानकारी के मुताबिक, विमानों की इमरजेंसी लैडिंग के बढ़ते मामलों पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सख्ती दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए.

विमानों की इमरजेंसी लैडिंग के मामलों पर सिंधिया ने जताई चिंता

बता दें कि देश में बीते कुछ महीनों से उड़ान के दौरान कई विमानों में गड़बड़ियों के मामले सामने आए हैं. जिसके बाद इन विमानों की इमरजेंसी लैंडिग करनी पड़ी है. ऐसे मामलों को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गंभीरता दिखाते हुए आज उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की. बैठक के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरी बताते हुए जरूरी कदम उठाने के आवश्यक निर्देश दिए हैं.

इमरजेंसी लैडिंग के मामले बढ़े

रविवार को भी केरल से दुबई जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का मामला सामने आया था. जानकारी के मुताबिक, असल में विमान के फॉरवर्ड गैली के वेंट से जलने की गंध आने लगी थी, जिसके बाद विमान को मस्कट की ओर डायवर्ट कर दिया गया था. इससे पहले स्पाइस जेट के विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग के मामले सामने आए थे. जिसके तहत एक महीने में स्पाइस जेट के आधा दर्जन से अधिक विमानों के इमरजेंसी लैंडिग के मामले सामने आए थे.

श्रीलंका के मुद्दे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक- प्रह्लाद जोशी

श्रीलंका संकट पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की अध्यक्षता में मंगलवार (19 जुलाई 2022) को सर्वदलीय बैठक बुलायी गयी है. बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर करेंगे. यह जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दी है. उन्होंने रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक के बारे में भी मीडिया को जानकारी दी.

45 दलों को आमंत्रित किया था, 36 बैठक में शामिल हुए

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक के लिए हमने 45 दलों को आमंत्रित किया था. इनमें से 36 दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए. 36 नेताओं ने अपने–अपने विचार रखे. अपने सुझाव भी दिये और अपनी मांगें भी रखीं. उन्होंने कई मुद्दों पर सरकार को चर्चा कराने के सुझाव दिये. श्री जोशी ने कहा कि सरकार सदन में सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है.

संसद की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा विपक्षरु प्रह्लाद जोशी

इससे पहले उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह गैर–मुद्दों को मुद्दा बना रहा है और संसद की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है. संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संसद के मॉनसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि सरकार संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के तहत सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है.

असंसदीय शब्दों की सूची पर विवाद के लिए विपक्ष की निंदा की

उन्होंने पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से जारी किये जा रहे असंसदीय शब्दों की सूची और परिपत्रों पर विवाद खड़ा करने के लिए विपक्ष की निंदा की. कहा कि वर्ष 1954 से इस तरह की परिपाटी चली आ रही है, जब पहली ऐसी सूची पेश की गयी थी. उन्होंने कहा कि विपक्ष ऐसा इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसके पास सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है.

2014 से पहले कभी सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए प्रधानमंत्री

सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विपक्ष की आलोचना पर श्री जोशी ने कहा, 'प्रधानमंत्री वर्ष 2014 से पहले कभी भी सर्वदलीय बैठकों में शामिल नहीं हुए, जब कांग्रेस सत्ता में थी.'

गल्ला व्यापारी के घर में हुई चोरी, नगदी समेत जेवरात लेकर फरार हुए चोर

कानपुर । साढ़ थाना क्षेत्र के गांव छांजा में आधी रात चोरों ने गल्ला व्यापारी के यहां धावा बोलकर नगदी समेत जेवरात की पार, जानकारी के अनुसार बता दें कि सहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत छाजा गांव निवासी राकेश कुमार यादव ने बताया कि करीब 46000 नगदी व जेवरात समेत चोरों ने किया पार बताया कि रात में बहुत छत पर सो रही थी वाह बेटा बरामदा पर सो रहा था तभी रात का फायदा उठाते हुए चोरों ने घर पर चोरी करता हुआ बोल दिया वह नकदी समेत जेवरात की पार वह सुबह उठकर जब दरवाजा खोला तो दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ था और घर में बक्से का भी ताला टूटा हुआ था जिस पर जेवरात में बाला झाला झुमकी अंगूठी बिछिया तोड़िया और 1 जोड़ी पायल आदि जेवरात थी, राकेश यादव ने सुबह रविवार साढ थाने मे तहरीर दी है साढ थाना प्रभारी जगदीश पांडे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई में पुलिस जुटी हुई है वहीं जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।

डिवाइडर से टकराई अनियंत्रित बाइक, एक की हालत नाजुक

कानपुर । नरवल में एनएच–2 पर एक अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से सरसौल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। जहां चिकित्सकों ने हालत गम्भीर देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। हादसा महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल कस्बा में पावर हाउस के सामने हुआ। युवक फतेहपुर से कानपुर की ओर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।उनके परिजनों से संपर्क करने का लगातार प्रयास जारी है। एक युवक की हालत है।

कानपुर की अनिका बनी आईसीएसई बोर्ड की टॉपर, पिता की तरह बनना चाहती है डॉक्टर

कानपुर । काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन की तरफ से रविवार की शाम को आईसीएसई बोर्ड का दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। इसमें शीलिंग हाउस की अनिका गुप्ता नेशनल टॉपर बनी हैं। उनके 99.8 फीसदी अंक आए हैं। कुल 500 में से 499 अंक प्राप्त किए। अनिका गुप्ता सिविल लाइंस स्थित आनंद एश्वर्य आपर्टमेंट में रहती हैं। पिता डॉ. सौरभ गुप्ता नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ हैं, जबकि मां डॉ. वंदना गुप्ता पैथोलॉजिस्ट हैं। नेशनल टॉपर का सपना माता पिता की तरह डॉक्टर बनने का है। वह जरूरतमंदों की सेवा करना चाहती हैं। कोचिंग के साथ ही घर में सेल्फ स्टडी करती रही हैं। पेटिंग करने और किताबे पढ़ने का शौक है। छोटी बहन सातवीं कक्षा में पढ़ रही है। अनिका अपनी सफलता का श्रेय अभिभावकों के साथ ही शिक्षकों को दे रही हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

कानपुर । सजेती थाना क्षेत्र के मऊ नखत गांव के बाहर खेत में एक युवक का शव आम के पेड़ पर लटकता शव देख, ग्रामीणों में मचा हड़कंप, ग्रामीणों ने पुलिस को व परिजनों को दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेजा है,

जानकारी के अनुसार बता दे कि पुलिस को युवक कि जेब से सुसाइड नोट मिला है ,और बगल में एक शराब की बोतल भी मिली है, परंतु उसकी मां का कहना है कि, संदीप कभी शराब नहीं पीता था, शक करने वाली बात है, युवक ने फांसी क्यों लगाई ,परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, मृतक संदीप मिश्रा 27 वर्ष अकेला व्यक्ति था, और अपनी मां ममता देवी के साथ रहता था, करीब 8 वर्ष पहले हार्ड अटैक से उनके पिता की मृत्यु हो गई थी ,मृतक संदीप अविवाहित हैं ,उसकी बहन की शादी 3 वर्ष पहले नबीपुर में हुई थी,

जब से वह अपनी दीदी के यहां परचून की दुकान खोल कर जीवन यापन कर रहा था और अपने घर का खर्चा भी चलाता था कि बीती रात वह घर से खेतों की तरफ निकला था, सुबह गांव किनारे खेतों में उसका शव लगे आम के पेड़ पर लटकता देख, ग्रामीणों ने तुरंत ही जानकारी पुलिस को दी ,मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी, जांच में संदीप की जेब से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है कि ,पापा मुझे माफ कर देना मुझसे गलती हो गई,

अब बात यह आती है कि उसके पिता की मृत्यु 10 साल पहले हुई थी और सुसाइड नोट में मृतक संदीप ने पिता का जिक्र क्यों किया है, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और आगे की जांच पड़ताल में जुटी हुई है ।

अवैध कब्जे को लेकर पीड़ित ने की शिकायत

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में अवैध कब्जे को लेकर पीड़ित परिवार ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की है जिसकी पुलिस जांच कर रही है बताते चलें कि जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के दरवेशाबाद गांव निवासी वेदप्रकाश ने बताया कि उनकी पुश्तैनी जमीन को पड़ोसी युवक मीना देवी पत्नी ओमप्रकाश जोकि जबरन कब्जा किए ले रहे हैं इसके चलते पीड़ित परिवार ने पुलिस से गुहार लगाई है पीड़ित युवक ने पुलिस से लेकर राजस्व के अधिकारियों तक शिकायत कर चुका है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है बताया कि पुलिस गांव तक जाती है और विपक्ष पार्टी से मिलकर वापस आ जाती है इस घटना की सूचना उप जिलाधिकारी को दी है उप जिलाधिकारी ने लेखपाल को आदेश किया कि जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाए ।

तालाब सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

30 लाख रुपये की लागत से होगा तालाब का कायाकल्प

कानपुर । नरवल के रहनस मोड़ के पास स्थित ककराहा तालाब के सौंदर्यीकरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन एनएचएआई के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप आए परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अमन रोहिला ने पौधरोपण करके शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देश वर्ष 2022 को आजदी के 75वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के रूप मना रहा है। इकघरा गांव में बने तालाब का अमृत सरोवर के रूप में जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत 2022 चकेरी इलाहाबाद मार्ग में कुल 66,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएनसी कम्पनी के द्वारा ककराहा तालाब को गोद लिया गया है। जिसको लेकर तालाब का सौंदर्यीकरण एवं वृक्षारोपण कार्य किया गया।

एडमिन मैनेजर प्रदीप यादव ने बताया कि रविवार को सौ फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। वहीं पीएनसी कम्पनी के कर्मचारियों को रखरखाव एवं दिशा–निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि करीब 30 लाख की लागत से तालाब का कायाकल्प होगा।

रोगियों की तलाश में स्वास्थ्य टीमों ने दी दस्तक।।

उरई–(जालौन)–दस्तक अभियान का आगाज शनिवार से हो गया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान के दौरान आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर पांच तरह की बीमारियों का पता लगाएंगी। अगर किसी के घर के पास मच्छर पनप रहे हैं तो उसकी भी रिपोर्ट ब्लाक पर करेंगी। रोगियों को चिन्हित कर सूची तैयार करेंगी।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वेक्टर बोर्न डिजीज डॉ एसडी चौधरी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के साथ ही शनिवार से दस्तक कार्यक्रम भी शुरू हो गया है। अभियान में आशा कार्यकत्री और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को लगाया गया है। इसी के साथ अभियान का सुपरविजन करने के लिए एएनएम, हेल्थ सुपरवाइजर, बेसिक हेल्थ वर्कर्स भी तैनात किये हैं। उन्होंने बताया कि आशा घर–घर जाकर परिवार के लोगों से मलेरिया, टीबी, सर्दी, जुकाम व बुखार (आईएलआई व सारी) से संबंधित सवाल पूछेंगी। साथ ही अति कुपोषित बच्चे की जानकारी लेंगी। अगर किसी में बीमारी के लक्षण मिलते हैं या कोई अति कुपोषित बच्चा मिलता है तो इसकी सूचना वह संबंधित ब्लाक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को देंगी। उन्होंने बताया कि अगर किसी घर के पास जल जमाव या भराव है तथा वहां पर लार्वा पैदा हो रहा है तो इसकी भी सूचना आशा देंगी। सूचना के बाद मलेरिया विभाग वहां का निरीक्षण कर जल निकासी, दवा के छिड़काव आदि की व्यवस्था संबंधित से कराएगा।

आधार कार्ड बनवाने गई महिला हुयी लापता

परिजनों ने कोतवाली में दर्ज कराई गुमशुदगी

फतेहपुर । जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला आधार कार्ड बनवाने गई थी इसके बाद वह अभी तक घर वापस नहीं आई परिवारी जनों ने जिसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है बताते चलें कि फतेहपुर जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र के यूसुफजई मोहल्ले में कुलवंता बेगम 12 जुलाई को घर से आधार कार्ड बनवाने के लिए गई थी जो अभी तक वापस नहीं आई उनके दो पुत्रियां हैं जिन का रो रो कर बुरा हाल है परिवारी जनों में कोहराम मचा हुआ है सभी संपर्क स्थानों पर खोजबीन की जा चुकी है लेकिन उनका अभी तक कोई पता नहीं लगा है परिवारी जनों ने सदर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है ।

धान की रोपाई करते समय युवती को सर्प ने काटा, इलाज के दौरान मौत

फतेहपुर । जनपद के खागा कोतवाली क्षेत्र में एक किशोरी धान की रोपाई कर रही थी तभी अचानक सर्प ने काट लिया जिसके इलाज के दौरान मौत हो गई बताते चलें कि खागा कोतवाली क्षेत्र के ईट गांव निवासी सोनम देवी उम्र 13 वर्ष जो कि खेतों में धान की रोपाई कर रही थी तभी अचानक सर्प ने डस लिया जिसके उसकी हालत गंभीर हो गई परिजनों ने आनन–फानन निजी वाहन से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है जिला अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया

इस घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

कानपुर में महावीर सहायता समिति एवं श्री अग्रवाल जैन परिषद के द्वारा विकलांगों के लिए शिविर का आयोजन।

कानपुर महानगर में दिव्यांग चिन्हिकरण शिविर का आयोजन श्याम नगर में किया गया जिसको प्रायोजित जयपुर की संस्था श्री भगवान महावीर विकलाग सहायता समिती, जयपुर एवं संचालन श्री अग्रवाल लाहिया जैन परिषद् द्वारा सफलता पूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम की संयोजक डा० अनुपम जैन ने बताया कि कानपुर महानगर के जिलाध्यक्ष श्री सुनील बजाज जी के कर कमलों द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया गया। जयपुर की संस्था से आये सुरेश मेहरा शाखा अजमेर ने बताया कि कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, कैलीपर, व्हील चेयर, बैशाखी इत्यादि दिये जायेगें। एवं प्रथम दिन 100 से ऊपर दिव्याग व्यक्तियों का चिन्हिकरण किया गया एवं अगले 2 दिनों में संस्था में गुणोत्तर वृद्धि संभावित है । श्री अग्रवाल लोहिया जैन परिषद् के महामन्त्री अमित जैन, उपाध्यक्ष आनन्द जैन, उपाध्यक्ष प्रवीण जैन एवं समस्त कार्यकारिणी उपस्थित रही।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग, काबू पाने में तीन लोग झुलसे, हालत गंभीर

औरैया । फफूंद थाना क्षेत्र के कोठीपुर गांव में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग को बुझाते समय तीन लोग और 3 बकरियां भी झुलस गईं। ग्रामीणों ने आधे घंटे मशक्कत कर आग को बुझाया। परिजन घायलों को चिचौली अस्पताल लेकर गए। वहां से सभी को सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। मामला थाना क्षेत्र के गांव कोठीपुर का है। यहां रविवार दोपहर को राम स्वरूप की बहू सतीश कुमारी गैस पर खाना बना रही थी। तभी अचानक गैस सिलेंडर की नली में आग लग गई। आग लगते ही सतीश कुमारी वहां से भाग कर बहार आई। परिजन आग बुझाने में जुट गए। दौरान राम स्वरूप, उनका पुत्र अतवल सिंह और नाती अनमोल आग की लपटों में झुलस गया।

पास में बंधी 3 बकरी भी आग की चपेट में आकर के झुलस गई। शोर सुनकर ग्रामीण भी मौके पर जुट गए। उन्होंने कड़ी मशक्कत कर आग बुझाई। इसके बाद तत्काल घायल तीनों लोगों को चिचौली स्थित अस्पताल में लेकर गए, जहां से सैफई के लिए रेफर कर दिया गया।

परिवार परामदर्श केन्द्र एवं महिला हेल्पडेस्क के अथक प्रयासों से 30 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को हुए राजी

उन्नाव । पुलिस अधीक्षक उन्नाव दिनेश त्रिपाठी के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्री शशि शेखर सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद उन्नाव के समस्त थानों की महिला हेल्पडेस्क एवं पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केन्द्र में पति–पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया तथा परिवार परामर्शदाताओं की सहायता से महिला हेल्पडेस्क पर नियुक्त महिला आरक्षियों द्वारा उपस्थित जोड़ों की समस्याओं को सुना गया। परामर्शदाताओं एवं महिला आरक्षियों द्वारा समस्याओं का काउंसलिंग के द्वारा निवारण करने का प्रयास करते हुए सभी जोड़ों की आपस में परस्पर वार्ता करायी गई तथा उनके परिजनों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं के सभी पहलुओं को समझा गया एवं उनके निराकरण के प्रयास किये गये। परिवार परामर्श केन्द्र व महिला हेल्पडेस्क के अथक प्रयास रंग लाये तथा कुल 30 पति–पत्नी के विवादित जोड़े साथ रहने हेतु राजी हुए, जिसमें परिवार परामर्श केन्द्र से 11, महिला थाना से 06, थाना दही से 03, थाना फतेहपुर चौरासी से 02, थाना औरास, थाना कोतवाली सदर, थाना अचलगंज, थाना असोहा, थाना बिहार, थाना बारासगवर, थाना मांखी व थाना सफीपुर से 01–01 जोड़े सकुशल विदाई की गई। परिवार परामर्शदाताओं में डॉ आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र समिति, श्री अबरार हुसैन,

श्री राम शंकर वर्मा, तबस्सुम नफीस, डा साबिहा उमर, श्री राम स्नेही यादव,सहयोगी अंकित रघुवंशी व प्रदीप त्रिपाठी, परिवार परामर्श केन्द्र टीम एवं महिला हेल्पडेस्क्स पर नियुक्त महिला आरक्षियों का योगदान सराहनीय रहा ।

पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में जीजा ने साले को चाकुओं से गोदा, हालत नाजुक

उन्नाव । बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में पैसे के लेन–देन को लेकर जीजा साले में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि जीजा ने चाकू से गोद–गोद साले को मरणासन्न कर दिया। जब साला घायल होकर वहीं गिर गया तो मरा हुआ समझकर वहां से भाग निकला। राहगीरों ने देखा तो घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरदोई जिले के बिलग्राम थाना के नूरपुर हथौड़ा गांव निवासी रवीन्द्र बांगरमऊ ब्लॉक में संविदाकर्मी के रूप में कार्यरत है। वह बांगरमऊ में ही किराए के घर पर रहता है। ब्लॉक गेट के सामने उसने सहज जनसेवा केंद्र की दुकान भी खोली है। दुकान में उसका साला कोतवाली क्षेत्र के नौनिहालगंज निवासी स्नोद पाल (30) काम करता है। घायल के पिता राम खेलावन ने बताया कि एक हफ्ते पहले भी दोनों में विवाद हुआ था। इसमें स्नोद की आंख में चोट आई थी। जिसका इलाज बांगरमऊ से चल रहा है। रविवार की दोपहर स्नोद ने जीजा को फोन कर सैलरी के पैसे मांगे। इस पर जीजा गाली गलौज करने लगा।

कहासुनी के बाद स्नोद ब्लॉक गेट के सामने दुकान पर पहुंच गया। जहां दोनों के बीच एक बार फिर गाली गलौज हुआ। इसके बाद रवीन्द्र ने चाकू से मुंह, पेट, हाथ, पैर, पीठ पर जानलेवा हमला कर दिया। छह जगहों पर गहरे घाव हुए हैं। इसके बाद जब स्नोद गिर गया तो वह भाग निकला। राहगीरों ने लहूलुहान स्नोद को अस्पताल में

भर्ती कराया। साथ ही हम लोगों को सूचना दी। हम लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल के भाई ने बताया कि स्नोद, जीजा की दुकान पर काम करता था। उसकी पेमेंट 3000 रुपए बन रही थी। वही पैसे उसने जीजा से मांगे थे। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक अभी तक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेंशन तार की चपेट में आया ट्रैक्टर, करंट लगने से दो किसानों की मौत

बहराइच । नरैनापुर में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो किसानों की मौत हो गई। जबकि एक झुलस गया। सूचना मिलने पर भारी संख्या में गांव के लोग इक्ट्ठा हो गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने बिजली विभाग पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। रिसिया के ग्राम नरैनापुर निवासी इश्तियाक अहमद (22) रविवार को ट्रैक्टर से खेत की जोताई करने जा रहा था। उसके साथ उसका चचेरा भाई हामिद रजा (14) भी था। ट्रैक्टर लेकर वह भाई के खेत में पहुंचा। तभी खेत में एचटी लाइन का तार लटक रहा था और ट्रैक्टर एचटी लाइन की चपेट में ट्रैक्टर आ गया। जिससे करंट लगने से चालक और उसके चचेरे भाई की मौत हो गई।

गांव का एख अन्य युवक भी करंट की चपेट में आने से झुलस गया। रिसिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कन्नौज बवाल में डीएम और एसपी हटाए गए, प्रभारी निरीक्षक सहित दो उपनिरीक्षक निलंबित

कन्नौज । जिले में शनिवार को तालग्राम में हुए बवाल के बाद शासन ने डीएम राकेश कुमार मिश्र और एसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव को हटा दिया है। उन्हें प्रतीक्षारत कर दिया गया है। शासन ने कन्नौज का नया जिलाधिकार शुभ्रांत कुमार शुक्ला को बनाया है, जो वर्तमान में चित्रकूट के जिलाधिकारी थे।वहीं, 2013 बैच के आईपीएस अफसर अनुपम को कन्नौज का नया एसपी बनाया है। इसके अलावा तालग्राम के प्रभारी निरीक्षक हरिश्याम सिंह को निलंबित कर दिया गया है। यहां जीतेंद्र सिंह को नया प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा तालग्राम थाने के दो उपनिरीक्षक विनय कुमार और राम प्रकाश भी निलंबित किए गए हैं। बता दें कि तालग्राम थाना क्षेत्र के गांव रसूलाबाद और फिर कस्बे के मोहल्ला टिकुरियान में बिगड़े हालात के बाद इलाके के सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल

तैनात कर दिया गया है।

घटना की जानकारी पर कानपुर के मंडलायुक्त राजशेखर और आईजी प्रशांत कुमार भी तालग्राम पहुंचे। उन्होंने थाने में डीएम और एसपी से पूरी घटना की जानकारी ली। आईजी ने आगजनी करने वाले लोगों को चिन्हित कर रिपोर्ट दर्ज कराने के आदेश भी दिए हैं। रसूलाबाद में हुई घटना के बाद पूरा प्रकरण सांप्रदायिक हो गया। अराजकतत्वों ने दोनों धर्म के लोगों के धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया, तो कई दुकानों में भी आग लगा दी।

इसको देखते हुए डीएम और एसपी के आदेश पर कस्बे और इसके आसपास स्थित सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पीएसी, फायर टेंडर, वज्र वाहन भी तालग्राम में ही हैं। डीएम और एसपी ने कलकत्तापुरवा जाकर ग्रामीणों को समझाया और अराजकता करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। यहां के ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जिसने भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रदर्शन कर की आजीविका मिशन के कर्मचारी को हटाने की मांग

बहराइच । ब्लाक नवाबगंज के आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आजीविका मिशन के कर्मचारी को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आजीविका मिशन के कर्मचारी को हटाने की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी बहराइच को भेजे गए शिकायत पत्र में ब्लॉक अध्यक्ष आंगनबाड़ी कार्यकत्री संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनीता पुरी, पूर्व अध्यक्ष सुनीता श्रीवास्तव, गीता देवी, सुनीता श्रीवास्तव, नीता यादव, जीनत प्रचीन, साध्या देवी, कृष्णा देवी सीतादेव, कुसुम सिंह, सीमा देवी, कन्नी देवी वर्मा, अर्चना, उषा देवी, गीता देवी सहित दर्जनों वर्करों का आरोप है कि आजीविका मिशन के उक्त कर्मचारी प्रायः लेनदेन के चक्कर में समूह के तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीच में विवाद करा देते हैं। कई केन्द्रो पर मारपीट व फौजदारी हो चुकी है। 16 जुलाई को गीता देवी के केन्द्र पर उक्त कर्मी पोषण सामग्री रिसीव करवाने आए थे। तभी तुलसी राम, बबिता देवी,सुनीता,सन्जू आदि को समूह अध्यक्ष को उकसाकर आंगनबाडी के बीच मारपीट करा दिया है, जिसमें पुलिस ने दोनों के मध्य 107 के तहत कार्रवाई की है। इस संदर्भ में प्रभारी सीडीपीओ

सुंदर पति ने बताया कि कार्यकत्री के प्रार्थना पत्र पर समूह से सामग्री रिसीव करवाने गए शैलेंद्र वर्मा ने कार्यकत्री से अभद्रता की है, जो नैतिकता और असंवैधानिक है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, एक की मौत, छह लोगों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव । जिले में बारिश का पानी दरवाजे पर जाने से हुए विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी–डंडे चले। इसमें एक युवक की मौत हो गई। इस घटना का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, बारा खेड़ा गांव निवासी कमलेश (45) के घर का बारिश का पानी मोहल्ले के ही महेंद्र के दरवाजे चला गया।इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी और बात बढ़ते ही दोनों पक्षों में लाठी–डंडे चलने लगे। इसमें एक पक्ष से महेंद्र और उसके बहनोई जगतपाल, मामा रामू ने कमलेश पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। इससे दूसरे पक्ष का कमलेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में

परिजन घायल को सीएचसी लेकर गए, जहां डॉक्टर ने गंभीरर हालत देखकर कानपुर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। यहां युवक की इलाज के दौरान रविवार को सुबह पांच बजे मौत हो गई। मृतक के चार लड़के रोहित, मोहित, सोहित और अंकित सहित दो लड़कियों सुमन व लक्ष्मी का रो रोकर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया की मृतक की पुत्री लक्ष्मी ने कोतवाली में तहरीर देकर जगतपाल, महेंद्र कुमार, लक्ष्मी पत्नी हुबलाल, रामू और दो अज्ञात पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, 181 मरीजों का हुआ परीक्षण

उन्नाव । राजधानी मार्ग स्थित अस्पताल के बाहर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जहां मौजूद डॉक्टरों ने शिविर में आए मरीजों का परीक्षण किया। जिसके बाद उन्हें सलाह देने के साथ ही दवाइयां दी। निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण को लेकर मरीजों की भीड़ उमड़ी।सुबह दस बजे से राजधानी मार्ग पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में नगर के अलावा आस पास के मोहल्लों से आए लोगों ने मौजूद डॉक्टरों से परामर्श लिया। कैंप का नेतृत्व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ गौतम एवं डॉ ए कुमार ने किया। कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर, हड्डी रोग, श्वांस सम्बंधित मरीज अधिक पाये गये। इस दौरान चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ बचाव के उपाय भी बताये। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से ओपी आर्या एवं डॉ0 सुषमा आर्या ने मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराई गईं। ओपी आर्या ने बताया कि शिविर के दौरान 181 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि अस्पताल समय समय पर मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों की सहायता करने का प्रयास करता रहता है। इस मौके पर अस्पताल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

छात्राओं ने लगाया स्कूल स्टाप पर शोषण करने व घटिया खाना देने का आरोप।।

उरई–(जालौन)–कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गूढा की छात्राओं ने स्टाफ पर शोषण करने व घटिया खाना देने का आरोप लगाया था। छात्राओं द्वारा लगाये आरोप के बाद जिला समन्वयक ने मौके पर पहुंच कर जांच की थी। जांच होने के 3 माह बाद दोषियों के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई। निर्धन परिवार के होनहार छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने के लिए सरकार द्वारा ब्लाक स्तर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गूढा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं रेश्मा, संध्या, मुस्कान व मोहनी ने रसोईया गुड्डी देवी, प्रीति, वंदना, सावित्री चौकीदार सुनील पाल पर शोषण करने तथा घटिया खाना व बासा भोजन देने का आरोप लगाया था। छात्राओं का आरोप है कि ये कर्मचारी उनसे स्कूल में जबरन काम कराते हैं तथा पानी भरने के लिए मजबूर करती है। इसके साथ ही छात्राओं ने विद्यालय कर्मचारियों पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए कि उन्होंने इसकी शिकायत स्कूल के स्टाफ से भी की। शिकायत के बाद शिक्षिकाएं उन्हें ही डाट कर चुप करा देती थी। छात्राओं द्वारा लगाये आरोपों की हकीकत जानने जिला समन्वयक विश्वनाथ द्विवेदी ने 19 अप्रैल को विद्यालय जाकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंखा, राशन सामग्री और पाठ्य सामग्री वार्डन साधना निरंजन के कक्ष में मिली। इस बारे में पूछने पर वार्डन कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे सकी। छात्रों ने आरोप लगाया कि स्टाफ के व्यवहार से उनमें डर और तनाव का माहौल है।जिला समन्वयक ने बताया कि पूछताछ में फुलटाइम टीचर वंदना और प्रीति विश्वकर्मा ने वार्डन पर बदसलूकी का आरोप लगाया है।जिला समन्वयक ने अपनी जांच रिपोर्ट जिला बेसिक अधिकारी को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर विद्यालय की वार्डन समेत कई कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई होना तय थी । कार्यवाही की जद में कौन कौन कर्मचारी हैं यह तो अभी स्पष्ट नहीं है फिर भी विद्यालय के सफल संचालन व गुटबाजी को समाप्त कराने के लिए कठोर निर्णय लिया जाना आवश्यक था।

दबंग ने पड़ोसी के घर में लगाई आग, गृहस्थी का सामान जलकर राख

कानपुर । नरवल में घर में आग लगाने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है पड़ोसियों ने रंजिशन वारदात को अंजाम दिया है। आगजनी में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।

जबकि, परिवार के लोग बाल–बाल बच गए। आरोप है कि पीड़िता की शिकायत पर महाराजपुर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कंधईखेड़ा गांव की रहने वाली बीना यादव ने बताया कि गांव के कुछ लोगों से उनका विवाद चल रहा था। पीड़िता ने कहा कि शुक्रवार की रात घर में 2 छोटे बच्चे और पति के साथ सो रही थीं। तभी दबंग पड़ोसी उपेंद्र यादव ने पीड़िता के परिवार को जिंदा जलाने के लिए घर में आग लगा दी। चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी जाग गए और किसी तरह आग को बुझाया। लेकिन, तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। महाराजपुर पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़िता ने बताया कि घर मे खाने–पीने का कोई सामान नही बचा है बच्चे भूख से रो रहे है। पीड़िता बीना यादव ने बताया कि महाराजपुर थाना में नामजद तहरीर दी थी दो दिन बीत गए लेकिन महाराजपुर पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नही की। एसपी आउटर तेज स्वरूप सिंह ने ट्विटर के माध्यम से महाराजपुर थाना इंचार्ज सतीश सिंह को जांच के आदेश दिया है। वहीं सतीश सिंह राठौर थानाध्यक्ष का कहना है

कि मामले कि जांच पड़ताल की जा रही है।